दुनियाभर के राजस्थानियों को एक सूत्र में पिरोने का महा अभियान

डाक पंजीयन सं. Jaipur City/103/2023-25

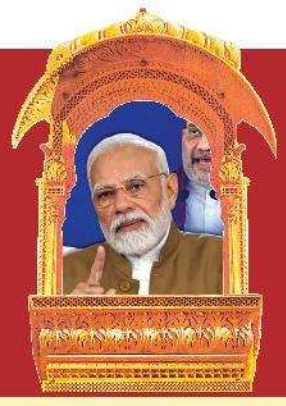

पेज 2

सुनहरा राजस्थान

राजस्थानी हैं जहां, यह अखबार है वहां

पेज 4

◆ वर्ष 14 ◆ अंक-46 ◆ आवृत्ति-साप्ताहिक ◆ जयपुर, शुक्रवार 09 से 15 फरवरी 2024 ◆ कुल पृष्ठ: 4 मूल्य: ₹10 संपादकीय कार्यालय: सी-74 सावरकर मार्ग, तिलक नगर, जयपुर -302004

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने विधानसभा में अंतरिम बजट किया पेश

दिन में 'दीया' जला दिया

नारी सुरक्षा पर विशेष ध्यान | **युवाओं के सपनों में रंग भरने की कोशिश** | **किसानों का बढ़ाया सम्मान**

वरिष्ठ नागरिकों को रोडवेज किराए में 50 फीसदी की छूट

युवाओं के लिए 70 हजार नई भर्तियों की घोषणा

चीनी-गुड़ पर मंडी शुल्क हटाया, लैंड टैक्स समाप्त

300 यूनिट सोलर बिजली फ्री मिलेगी

जयपुर के पास नई आईटी सिटी बनेगी

मेट्रो का विस्तार सीतापुरा से अम्बाबाड़ी तक

जयपुर। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने विधानसभा में अंतरिम बजट पेश किया। उन्होंने बजट में युवाओं के लिए 70 हजार नई भर्तियों की घोषणा की गई है। वहीं, बुजुर्ग और महिलाओं की पेंशन में 150 रुपए का इजाफा किया गया है। अंतरिम बजट में वित्त मंत्री ने कहा कि किसानों के लिए गोपाल क्रेडिट कार्ड स्कीम भी शुरू होगी और 5 लाख गोपालकों को कर्ज दिया जाएगा।

बजट में जयपुर में मेट्रो के विस्तार की मंजूरी दी गई है। वहीं, राजस्थान के 5 लाख घरों में सोलर प्लांट भी लगाए जाएंगे। वित्त मंत्री ने कहा कि प्रदेश में सड़कों के विकास के लिए 1500 करोड़ रुपए का प्रावधान भी किया जा रहा है। उन्होंने कहा पिछली सरकार की गलत नीतियों के फलस्वरूप में विरासत में बड़ा कर्ज मिला है।

कर्ज दोगुना होकर 5 लाख करोड़ से ज्यादा हो गया है। बजट भाषण के दौरान विपक्ष ने हंगामा भी किया। विपक्ष का आरोप था कि वित्त मंत्री बजट भाषण के बजाय आरोप-प्रत्यारोप कर रही हैं। इस बीच सीएम ने कहा कि एक महिला बजट पढ़ रही हैं, उन्हें प्रोत्साहित करना चाहिए।

100 करोड़ से महाराणा प्रताप सर्किट बनेगा

प्रताप टूरिस्ट सर्किट विकसित करने के लिए 100 करोड़ का प्रावधान किया गया है। इनसे चावण्ड, हल्दीघाटी, गोगुन्दा, कुंभलगढ़, दिवेर और उदयपुर आदि स्थानों पर इतिहास को जीवंत बनाने की कोशिश की जाएगी, ताकि देश-विदेश के पर्यटक आन-बान-शान और स्वाभिमान के लिए मरमिटने वालों का इतिहास जान सकें। प्रदेश में आर्म्ड फोर्सेज म्यूजियम के लिए डीपीआर बनेगी। इसके लिए 2 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है।

पिछली सरकार की 15-16 मंदिरों के विकास की योजना का विस्तार करते हुए गोवर्धन परिक्रमा, पूंछड़ी का लोटा, सवाईमाधोपुर का त्रिनेत्र मंदिर और मेहंदीपुर बालाजी को शामिल करते हुए 20 प्रसिद्ध मंदिरों

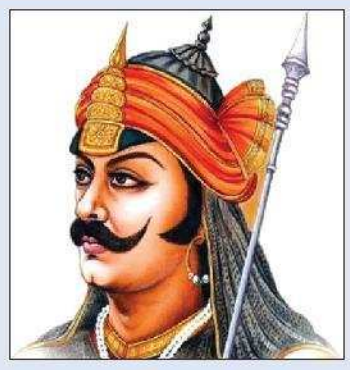

का विकास करने के लिए 315 करोड़ का बजट दिया गया है। जोधपुर के खेजड़ली में अमृता देवी विश्नोई देसी प्लांट केंद्र बनेगा।

चिरंजीवी योजना का नाम बदला

चिरंजीवी योजना का नाम अब मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना किया गया है। इस योजना में कैंसर का डे केयर इलाज भी शामिल होगा। अगले साल से हाईवे पर एक्सीडेंट में जान बचाने के लिए 25 एडवांस लाइफ सपोर्ट एंबुलेंस उपलब्ध करवाई जाएंगी।

किसानों को मुफ्त बीज किट दिए जाएंगे

2000 करोड़ का कृषि क्षेत्र के लिए राजस्थान एग्रीकल्चर कोष बनेगा। 20 हजार फार्म पोन्ड, 5000 किसानों के लिए वर्मी कम्पोस्ट, फूडपार्क और हॉर्टीकल्चर हब बनेंगे।

500 कस्टमर हायरिंग सेंटर बनेंगे। किसान क्रेडिट कार्ड की तर्ज पर गोपाल क्रेडिट कार्ड। पहले फेज में 5 लाख गोपालक परिवारों को कर्ज दिया जाएगा। हर गोपालक को 1 लाख का कर्ज दिया जाएगा।

10 बड़ी घोषणाएं

- मंडी टैक्स समाप्त करने से सस्ते होंगे चीनी और गुड़। लैंड टैक्स समाप्त करने की भी घोषणा।
- सामाजिक सुरक्षा के तहत महिलाओं व बुजुर्गों की पेंशन में 150 रुपए का इजाफा।
- बुजुर्गों का रोडवेज किराए में अब 50 फीसदी की छूट मिलेगी। अब तक ये छूट 30 फीसदी थी।
- युवाओं के लिए 70 हजार नई भर्तियों की घोषणा। आरपीएससी और कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षा का वार्षिक कैलेंडर जारी होगा।
- लाडो प्रोत्साहन योजना में गरीब परिवार में बेटी होने पर 1 लाख का सेविंग बॉन्ड मिलेगा। प्रसव राशि भी एक हजार रुपए बढ़ाकर 6 हजार की गई।
- जयपुर में मेट्रो का विस्तार होगा। जयपुर, जोधपुर और कोटा में 500 इलेक्ट्रिक बसें चलेंगी। प्रदेश में नई सड़कों के लिए 1500 करोड़ स्वीकृत।
- किसान क्रेडिट कार्ड की तर्ज पर गोपाल क्रेडिट कार्ड बनेंगे। पहले फेज में 5 लाख गोपालकों को कर्ज भी दिया जाएगा।
- कर्मचारियों को डीपीसी में 2 साल की छूट मिलेगी। आशा सहयोगी व अन्य को मानदेय में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी की जाएगी।
- पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 100 करोड़ की लागत से महाराणा प्रताप सर्किट बनाया जाएगा।
- 20 मंदिरों के विकास के लिए 315 करोड़ का बजट दिया गया है।

राजस्थान के सपने को साकार करने वाला है बजट : भजनलाल

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जनता जनार्दन की आशाओं और आकांक्षाओं को ध्यान में रखकर हमारी सरकार ने बजट 2024-25 (लेखानुदान) प्रस्तुत किया है। इसमें यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशानुसार महिलाओं, किसानों, छात्रों, व्यापारियों एवं कार्मिकों सहित सभी वर्गों को बड़ी सौगातें दी गई हैं। उन्होंने कहा कि आपणो अग्राणी राजस्थान के सपने को साकार करने की दिशा में इस बजट में महत्वपूर्ण निर्णय भी लिए गए हैं। भजनलाल शर्मा गुरूवार को उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री दिया कुमारी द्वारा प्रस्तुत बजट (लेखानुदान) के संबंध में प्रति या दे रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट राज्य सरकार के सुराज संकल्प के सपने को साकार करने वाला और प्रदेश को विकास एवं उन्नति के पथ पर अग्रसर करने वाला साबित होगा। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास एवं सबका कल्याण' को केंद्र में रखते हुए इस बजट में अंतिम छोर पर खड़े प्रत्येक व्यक्ति को भरपूर राहत देने की ठोस पहल की गई है।

भाजपा सरकार ने 'मोदी की गारंटी' की हवा निकाल दी : गहलोत

राजस्थान विधानसभा में वित्त मंत्री व डिप्टी सीएम दिया कुमारी ने लेखानुदान बजट पेश किया। बजट में कई बड़ी घोषणाएं की गई। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बजट पर प्रतिक्रिया दी हैं। गहलोत ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट लिख भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि इस लेखानुदान से राजस्थान की भाजपा सरकार ने मोदी की गारंटी की हवा निकाल दी है। गहलोत ने लिखा कि राजस्थान की वित्त मंत्री द्वारा पेश किए गए लेखानुदान में प्रदेश के लिए विजन की बजाय पूर्ववर्ती सरकार पर आरोप ही दिखाई दिए हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि राजस्थान सरकार पर कर्ज 2 लाख करोड़ बढ़ गया पर मैं उनकी जानकारी में लाना चाहूंगा कि भारत सरकार पर यूपीए सरकार के समय 2014 तक 55 लाख करोड़ रुपए का कर्ज था जो 2023 तक 106 लाख करोड़ रुपए बढ़कर 161 लाख करोड़ रुपए हो गया है। राजस्थान सरकार के सभी फाइनेंसियल इंडिकेटर भारत सरकार से बेहतर रहे हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 14 को आएंगी राजस्थान

बेणेश्वर धाम में करेंगी दर्शन

जयपुर। आदिवासियों के सबसे बड़े आस्था के धाम और तीर्थ कहे जाने वाले डूंगरपुर स्थित बेणेश्वर धाम पर 14 फरवरी को राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू का प्रस्तावित यात्रा कार्यक्रम है। ग्रामीण विकास और पंचायती राज विभाग के एसीएस अभय कुमार ने विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की।

तैयारियों की बात करें तो इस कार्यक्रम में 10 हजार महिलाएं यहां आएंगी। इसके अलावा भी राष्ट्रपति के दौरे को देखते हुए पुलिस से लेकर प्रशासन तक ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। वहीं संभागीय आयुक्त नीरज के पवन ने बताया कि कार्यक्रम स्थल पर तैयार की जा रही है। स्थल पर पांच हेलीपैड और डोम लगाए जाएंगे जो, 10 फरवरी तक बनकर तैयार हो जाएंगे। साथ ही कार्यक्रम में आने वाली 10 हजार महिलाओं की बैठक के लिए भी व्यवस्था की गई है। महिलाएं बांसवाड़ा संभाग के तीनों जिलों के अलावा उदयपुर जिले से भी आएंगी। इस कार्याक्रम में डूंगरपुर और बांसवाडा से 3500-3500 और प्रतापगढ़ और उदयपुर जिले से 1500-1500 महिलाएं रहेंगी। यह सभी महिलाएं लखपति दीदी योजना से जुड़ी हुई हैं। वागड़ क्षेत्र राजनीतिक रूप से तो अपनी पहचान रखता ही है, क्योंकि यहां आदिवासी वोटर्स है।

लखपति दीदी के कार्यक्रम शिरकत करेंगी राष्ट्रपति

कार्यक्रम भी लखपति दीदी का ही होगा, जिसमें राष्ट्रपति मुर्मू का भी संबोधन हो सकता है। संभागीय आयुक्त डॉ. पवन ने बताया कि राष्ट्रपति के समक्ष जनजाति अंचल की कला-संस्कृति की झलक भी प्रस्तुत की जाएगी। इसके लिए ढोल-तासों की धुन के साथ वागड़ में होली के प्रतिनिधि गैर नृत्य की प्रस्तुति की व्यवस्था भी की जाएगी। इसी प्रकार राजीविका उत्पादों और अन्य उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी के आयोजन की व्यवस्था के साथ ही स्थानीय कला संस्कृति संबंधित विषयों को विभिन्न माध्यमों के साथ प्रदर्शित किया जाएगा।

राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरु

जयपुर। राज्यसभा द्विवार्षिक निर्वाचन-2024 के लिए अधिसूचना जारी हुई। इसके साथ ही नामांकन पत्र भरने की प्रक्रिया आरंभ हो गई। मुख्य निवार्चन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 15 फरवरी, 2024 तक नामांकन पत्र भरे जा सकेंगे

राज्यसभा चुनाव की प्रक्रिया राज्य विधानसभा परिसर में होगी। गुप्ता ने इसके लिए तैयारियों का जायजा लिया। गुप्ता ने विधान सभा के प्रमुख सचिव महावीर प्रसाद शर्मा एवं अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने बताया कि नामांकन पत्रों की संवीक्षा 16 फरवरी को होगी, जबकि 20 फरवरी तक अभ्यर्थी नाम वापस ले सकेंगे।

राज्यपाल ने श्रीवास्तव को मुख्य न्यायाधिपति पद की शपथ दिलाई

जयपुर। राज्यपाल कलराज मिश्र ने राजभवन में मनिन्द्र मोहन श्रीवास्तव को राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति पद की शपथ दिलाई। जस्टिस श्रीवास्तव ने हिंदी में शपथ ली। समारोह के प्रारम्भ में मुख्य सचिव सुधांश पंत ने राज्यपाल से श्रीवास्तव को शपथ दिलवाने का आग्रह किया। इससे पहले उन्होंने राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु द्वारा जारी मुख्य न्यायाधिपति की नियुक्ति अधिसूचना एवं वारंट पढ़कर सुनाया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, मंत्रिमण्डल के सदस्यगण, जनप्रतिनिधिगण, राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधीशगण, अधिकारीगण, अधिवक्तागण एवं मुख्य न्यायाधीश श्रीवास्तव के परिजन उपस्थित रहे।

लोकसभा आम चुनाव 2024

प्रवर्तन एजेंसियों के नोडल अधिकारियों को मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने दिए दिशा-निर्देश

जयपुर। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने लोकसभा आम चुनाव- 2024 की तैयारी हेतु निर्वाचन से पूर्व एवं निर्वाचन अवधि के दौरान सम्पादित किये जाने वाले कार्यों को लेकर विभिन्न प्रवर्तन एजेंसियो के नोडल अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। गुप्ता लोकसभा आम चुनाव 2024 की तैयारियों को लेकर जयपुर में सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में विभिन्न प्रवर्तन एजेन्सियों के नोडल अधिकारियों की निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण से सम्बन्धित समीक्षात्मक बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में विधानसभा चुनावों के दौरान आयी विभिन्न समास्याओं के बारे में चर्चा कर सुझाव प्राप्त किए गए। इंटर डिपार्टमेंटल समन्वय एवं इंटिलिजेंस शेयरिंग पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा विशेष जोर दिया गया।

शराब, ड्रग्स एवं मादक पदार्थों के मार्ग के बारे में चर्चा की गयी एवं इन मार्गों पर विशेष निगरानी एवं चैक पोस्ट स्थापित किए जाने के निर्देश दिए गए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि बैठक में संबंधित विभागों ने प्रस्तुतीकरण दिया जिसमें विभाग के संगठनात्मक ढांचा एवं कार्यप्रणाली के साथ ही पिछले 3-6 महीनों में विभाग द्वारा संवेदनशीलता की प्रकृति के आधार पर की गई कार्यवाहियों एवं उपलब्धियों की जानकरी दी गयी, साथ ही विधानसभा आम चुनाव 2018 व 2023 एवं लोकसभा आम चुनाव 2019 के दौरान की गई जब्ती एवं रिलीज की अद्यतन सूचना का प्रस्तुतीकरण किया गया।

जल जीवन मिशन का कार्य शीघ्र होगा पूरा: मुख्यमंत्री

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जल जीवन मिशन को राजस्थान में मिशन मोड पर संचालित किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशा अनुसार सभी पात्र परिवारों को नल से जल देना सुनिश्चित किया जाएगा। शर्मा केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री शेखावत के साथ मुख्यमंत्री कार्यालय में जल जीवन मिशन एवं स्वच्छ भारत मिशन की समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने जल जीवन मिशन के तहत 'हर घर जल-हर घर नल' के सपने को साकार करने के लिए चल रहे प्रोजेक्ट्स को गुणवत्ता व समयबद्धता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि गत सरकार के कार्यकाल में मिशन के कार्य में अपेक्षित प्रगति नहीं हो सकी, जिससे यहां जल जीवन मिशन में 46 फीसदी परिवारों को ही नल कनेक्शन मिल पाया। हमारी सरकार द्वारा मिशन की नियमित समीक्षा की जाएगी, साथ ही मिशन में अनियमितता बरतने वाले जिम्मेदार ठेकेदार एवं अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने जल जीवन मिशन के कार्यों को अभियान रूप में संचालित करते हुए जिला कलक्टर्स को एडीएम स्तर के

अधिकारी द्वारा इसकी प्रगति की नियमित मॉनिटरिंग करवाने के निर्देश दिए। जल जीवन मिषन के तहत होने वाले कार्यों का फील्ड में जाकर निरीक्षण करें ताकि वास्तविक कार्य और वस्तुस्थिति के बारे में स्थिति स्पष्ट हो। मुख्यमंत्री ने जल जीवन मिशन एवं स्वच्छ भारत मिशन के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए पंचायती राज विभाग को विशेष ग्राम सभाएं आयोजित करने के निर्देश प्रदान किए।

जल जीवन मिशन से स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति में हो रहा बड़ा बदलाव

केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि जल जीवन मिशन का उद्देश्य देश के सभी ग्रामीण परिवारों को घरेलू नल कनेक्शन के जरिये नियमित रूप से पर्याप्त मात्रा में निर्धारित गुणवत्ता का पेयजल मुहैया करवाना है। जल जीवन मिशन से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति में बडा बदलाव आया है। वर्ष 2019 तक देश में मात्र 16 फीसदी परिवारों के पास ही नल कनेक्शन थे, जबकि जल जीवन मिशन आने के बाद करीब 75 प्रतिशत परिवारों को नल से पानी की आपूर्ति की जा रही है। उन्होंने प्रदेश में जेजेएम के अन्तर्गत कार्यो की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए थर्ड पार्टी मॉनिटरिंग और पानी की चोरी रोकने के लिए विशेष कार्य किए जाने पर बल दिया।। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने जेजेएम की प्रगति के संबंध में जिला कलक्टर्स को साप्ताहिक एवं संभागीय आयुक्त को पाक्षिक रूप से समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्य सचिव कार्यालय स्तर पर मिशन की मासिक स्तर पर समीक्षा की जाएगी।

हमारा राजस्थान

मोदी के आत्मविश्वास से भरा आमचुनाव का गणित

ललित गर्ग

लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर हुई चर्चा के समय विपक्ष की ओर से उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आत्मविश्वास एवं कर्मठता से भरकर कहा कि मैं ऐसे आंकड़ों में नहीं पड़ता लेकिन मैं देख रहा हूं कि देश का मिजाज भारतीय जनता पार्टी को 370 और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को 400 से ज्यादा सीटें पार करवाकर रहेगा। भाजपा इस बार चुनावों में 400 पार का नारा दे रही है। 2019 चुनावों में भाजपा ने 303 सीटें जीती थीं। निश्चित ही इतने बड़े आंकडे की घोषणा करने के पीछे नरेन्द्र मोदी की सकारात्मक सोच, विकास की राजनीति एवं राष्ट्र-विकास का संकल्प है, वहीं विपक्ष एवं कांग्रेस की नकारात्मक सोच, विरोध के लिए विरोध और विभाजनकारी रवैया उसके लगातार कमजोर होने के कारण हैं। प्रधानमंत्री ने सीटों का जो आकलन किया है, वह सिर्फ इस बात का संकेत है कि भाजपा अपने तीसरे कार्यकाल को लेकर पूरी तरह आश्वस्त है। उन्होंने उन अटकलों पर भी विराम लगा दिया, जिनमें कहा जा रहा है कि इंडिया गठबंधन के रूप एकजुट हुआ विपक्ष उनको चुनौती देगा, क्योंकि विपक्षी एकजुटता बिखर चुकी है।

मोदी ने संसद के भीतर जब अपने चुनावी लक्ष्य की बात कही तो इसने भाजपा कार्यकर्ताओं को ऊर्जा से भर दिया, वहीं विपक्ष के सामने आत्मचिन्तन का अवसर प्रदत्त किया। कांग्रेस को 10 साल के दौरान अच्छा विपक्ष बनने का मौका मिला लेकिन इसमें वह पूरी तरह विफल रही। स्वयं तो विफल रही ही, बल्कि विपक्ष में भी कुछ होनहार लोगों को उभरने नहीं दिया। कांग्रेस की नकारात्मक एवं संकीर्ण राष्ट्र-विरोधी राजनीति को देश की जनता महसूस करने लगी है। कांग्रेस किस तरह नकारात्मक राजनीति का शिकार है यह लोकसभा में ही तब देखने को मिला जब सदन में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने बालाकोट में की गई एयर स्ट्राइक पर सवाल खड़े किए। ध्यान रहे ऐसे ही सवाल पाकिस्तान खड़े करता रहा है। आखिर उन्हें पाकिस्तान के स्वरों में स्वर मिलाने एवं उसको रास आने वाला बयान देने की जरूरत क्यों पड़ गई? ऐसा पहली बार नहीं हुआ है, वह बार-बार कभी पाकिस्तान तो कभी चीन की तरफदारी करती रही है। मोदी विरोध के नाम पर वह राष्ट्र-विरोध पर उतरती रही है।

प्रधानमंत्री मोदी के इस विश्वास एवं दृढ़ता की अनेक वजहें है। एक बड़ी वजह हाल ही में साल 2023 के विधानसभा चुनावों में भाजपा की शानदार जीत दर्ज करना भी है। विशेषकर मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ का परिणाम तो कल्पना से भी बाहर था। दूसरी वजह, रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा ने लोगों में एक नए जोश का संचार किया है। अंतरिम बजट में ही जिस तरह से आने वाले कुछ महीनों को लेकर नीतियों का एलान किया गया है, वह संकेत है कि भाजपा अपनी जीत को लेकर काफी आश्वस्त है। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में मोदी के नेतृत्व में ऐतिहासिक एवं चमत्कारी जीत की संभावनाओं की और भी वजहें हैं, जिनमें प्रधानमंत्री के कार्यकाल की सुखद एवं उपलब्धिभरी प्रतिध्वनियां हैं, जैसे चांद एवं सूर्य पर विजय पताका फहरा देने के बाद धरती को स्वर्ग बनाने की मुहीम चल रही है, राष्ट्रीय जीवन में विकास की नयी गाथाएं लिखते हुए भारत को दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनाने की ओर अग्रसर करना है। भारत अब विश्व-गुरु भी बनने की ओर गतिशील है। गत वर्ष 9 एवं 10 सितम्बर को जी-20 देशों का महासम्मेलन भारत में सफलतापूर्वक सम्पन्न होना भी भारत की विश्व स्तर पर मजबूत होने की स्थिति को दर्शा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इस जिम्मेदारी को संभालने का अर्थ था भारत को सशक्त करने के साथ-साथ दुनिया को एक नया चिन्तन, नया आर्थिक धरातल, शांति एवं सह-जीवन की संभावनाओं को बल देना। नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा घोषित नई शिक्षा नीति की उपयोगिता एवं प्रासंगिकता धीरे-धीरे सामने आने लगी है एवं उसके उद्देश्यों की परते खुलने लगी है। भाजपा इसलिए भी आशान्वित है, क्योंकि जिस विपक्षी एकता की बात 2023 के मध्य से चल रही थी, उसमें दरारे पड़ती ही जा रही है। तमाम विपक्षी पार्टियां अपने-अपने ढंग से चुनाव लड़ने को तैयार हैं और कांग्रेस से उनकी खींचतान चल रही है। फिर, जहां-जहां भारतीय जनता पार्टी के लिए मुश्किलें खड़ी हो सकती थीं, वहां पार्टी ने अपने अनवरत प्रयासों से खुद को मजबूत बना लिया है, फिर चाहे वह महाराष्ट्र हो या बिहार।

कांग्रेस एवं विपक्षी दलों के पास भाजपा एवं मोदी विरोध का कोई सशक्त धरातल एवं मुद्दें नहीं है। वैसे तो हर एक का जीवन अनेकों विरोधाभासों एवं विसंगतियों से भरा रहता है। लेकिन कांग्रेस का हर दिन कई विरोधाभासों के बीच बीत रहा है। कांग्रेस की उल्टी गिनतियां चल रही हैं। उसकी उल्टी गिनती तो लम्बी चलेगी। पर जनता के दिमाग में एक बात गहरे तक बैठी हुई है कि मोदी के नेतृत्व में सब कुछ बदल जाएगा, भारत सशक्त हो जायेगा, सब कुछ अच्छा हो जाएगा एवं सब कुछ श्रेष्ठ हो जाएगा। इसके विपरीत कांग्रेस की जनता पर पकड़ ढ़िली पड़ती जा रही है, उसके बयानों में कोई बुनियादी मुद्दें नहीं होते, बार-बार बेरोजगारी की चर्चा सुनने को मिलती है, जबकि 2014 से पहले इंफ्रास्ट्रक्चर का बजट केवल 12 लाख करोड़ के आसपास था। बीते 10 सालों में बजट बढ़कर 44 लाख करोड़ हो गया है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि देश में कितनी नौकरियां पैदा हुई होंगी। आज युवाओं के लिए जितने नए अवसर बने हैं, ये पहले कभी नहीं बने। आज चारों तरफ स्टार्टअप्स की गूंज है, यूनिकॉर्न्स चर्चा में है। 2014 के पहले डिजिटल इकोनॉमी का साइज ना के बराबर था। आज भारत, दुनिया की अग्रणी डिजिटल इकोनॉमी है। लाखों युवा इससे जुड़े हैं और उनके सपनों को पंख लगे हैं। इसी तरह महिलाओं को सम्मानजनक जिन्दगी देने एवं उनके विकास को अग्रसर करने में मोदी सरकार ने व्यापक प्रयत्न किये हैं। एक संकल्प लाखों संकल्पों का उजाला बांट सकता है यदि दृढ़-संकल्प लेने का साहसिक प्रयत्न कोई शुरु करे। निश्चित ही अंधेरों, अवरोधों एवं अक्षमताओं से संघर्ष करने की एक सार्थक मुहिम प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 में शुरू हुई थी और उनका तीसरा कार्यकाल इन दृष्टियों से ऐतिहासिक होगा, यह आम जनता में पनप रहा विश्वास है।

मोदी ने अपने अब तक के कार्यकाल में जता दिया है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति वाली सरकार अपने फैसलों से कैसे देश की दशा-दिशा बदल सकती है। कैसे राष्ट्र की सीमाओं को सुरक्षित रखते हुए पडौसी देशों को चेता सकती है, कैसे स्व-संस्कृति एवं मूल्यों को बल दिया जा सकता है। काशी हो या अयोध्या या ऐसे ही धार्मिक एवं सांस्कृतिक क्रांति के परिदृश्य-ये अजूबे एवं चौकाने वाले लगते हैं। अयोध्या से नरेन्द्र मोदी ने जो संदेश दिया है, उसे केवल चुनावी नफा-नुकसान के नजरिये से नहीं देखना चाहिए, बल्कि एक सशक्त होते राष्ट्र के नजरिये से देखा जाना चाहिए। उनका यह कहना खास मायने रखता है कि सदियों की गुलामी के चलते भारत को जिस हीनभावना से भर दिया गया था, आज का भारत उससे बाहर निकल रहा है। यह स्थिति आगामी लोकसभा चुनाव की जमीन बनेगी। स्पष्ट है, आम चुनाव में अब बहुत दिन शेष नहीं है, और दोनों मोर्चों की बिसात कमोबेश बिछ चुकी है।

संपादकीय

वित्तीय प्रबंधन को बंधनों से मुक्त करना सबसे बड़ी चुनौती

प्रबंधन यानी बंधन को खोलना। बंधन की सीमाओं से परे जाकर, अपनी पूरी क्षमताओं के साथ व्यवस्थागत विसंगतियों को दूर करते हुए लक्ष्य को हासिल करना। इसीलिए हद और अनहद यानी मर्यादाओं में रहते हुए और सीमाओं का अतिरेक करते हुए अपने सामर्थ्य से सफलताओं को हासिल करना। हर व्यक्ति, संस्था अथवा संगठन के लिए विचार और व्यवहार में यह आसान काम नहीं है। फिर भी यदि इस विषय पर संकल्प से लेकर सिद्धि तक प्रयास किए जाए तो यह मुश्किल भी नहीं है। जीवन के हर क्षेत्र में यह सिद्धांत लागू होता आया है और आगे भी रहेगा। लोकतांत्रिक और जनकल्याणकारी सरकारों के लिए प्रबंधन का मतलब यही होता है कि लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने की दृष्टि से उसे जो भी उचित लगे, उन कार्यों को पूरा करना। इसके लिए पैसा भी चाहिए। वह हर साल सरकारी आय व्यय का लेखाजोखा लेकर विधानसभा से बजट के माध्यम से स्वीकृति लेकर आर्थिक संसाधनों की व्यवस्था करती है। अमूमन ऐसा देखा गया है कि कांग्रेस हो या बीजेपी, अपने घोषणापत्र में जनता से किए गए वायदों को पूरा करने के लिए वित्तीय प्रबंधन करती है। कुछ क्षेत्रों में कर लगाती है, कुछ में छूट देती है, लोक लुभावन आर्थिक घोषणाओं से लोगों के आर्थिक और सामाजिक स्थितियों को बेहतर करने के प्रयास करती है। सैद्धांतिक रुप से संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप सब कुछ ठीक लगता है, लेकिन इसका व्यावहारिक पक्ष उतना ठीक नहीं होता, जैसा अनुमान लगाया जाता है। यानी आय और व्यय का आंकलन करना, अनुमान लगाना, उसे नियंत्रित करना और उसका वास्तविक उपयोग करने पर ध्यान देना सबसे महत्वपूर्ण है। यही कारण है कि आज तक की सरकारों ने हर साल अपने बजट का आकार जरूर बढ़ाया है, लेकिन उसकी उपयोगिता परिणाम को हमेशा नजरअंदाज करने की वजह से अपेक्षित लाभ नहीं मिल पाया। हर साल सरकारी राजस्व घाटा लगातार बढ़ता जा रहा है। आय की अपेक्षा खर्च अधिक, फिर भी अपेक्षित परिणाम नहीं। सरकारें कर्जा लेकर खर्च करती है, क्यूंकि आय के सीमित संसाधन है, लोगों की अपेक्षाओं को पूरा करने का राजनीतिक दबाव। अधिक की प्राप्ति नहीं, और खर्च की कोई सीमा नहीं। इससे भी सबसे बड़ी विडंबना यह कि जो खर्चा हो रहा है, वह जरुरतमंद व्यक्ति तक पहुंचता भी या नहीं, इसको देखने वाला कोई नहीं, निरीक्षण और नियंत्रण की गैर जिम्मेदार व्यवस्था। इसके लिए जिम्मेदारियां तय नहीं होने, प्रभावी नियंत्रण और निरीक्षण नहीं होने और व्यवस्थाओं की विसंगतियों के चलते आर्थिक छलनी में छेद होने से राजस्थान आर्थिक रुप से संपन्न होते हुए भी विपन्नता में जी रहा है। राजस्थान आर्थिक और भौगोलिक विविधताओं और संसाधनों से परिपूर्ण प्रदेश है। अभी तक उन समग्र संसाधनों का व्यवस्थित तरीके से उपयोग नहीं हुआ है। कई क्षेत्र ऐसे हैं जो अभी तक अनछुए है, जिनका उपयोग किया जा सकता है। यहां की जैविक विविधता हो या फिर भौगोलिक परिवेश, व्यष्टि से समष्टि तक उनका उपयोग कर आर्थिक रुप से संबलता प्राप्त की जा सकती है। अब चूंकि लंबे अरसे के बाद पहली बार स्वतंत्र रुप से वित्त विभाग दीया कुमारी को दिया गया है। वे एक महिला है, लिहाजा उन्हें घर परिवार के आर्थिक हितों का अच्छा अनुभव है। जिस तरह एक महिला घर की आर्थिक जिम्मेदारियों को बखूबी वहन करना जानती है, आय-व्यय में संतुलन बनाए रखना जानती है, उम्मीद की जानी चाहिए कि इस बार राज्य का अंतरिम बजट वैसा ही होगा, जैसी अपेक्षाएं सभी क्षेत्र और वर्गों ने बना रखी है। हालांकि यह अंतरिम बजट है, पूरा बजट तो लोकसभा चुनाव के बाद सामने आएगा, फिर भी इससे बीजेपी की नई सरकार के पांच साल के आर्थिक विजन की हल्की और धुंधली से तस्वीर जरुर दिखाई देगी। नई सरकार है, नया जोश है, नया उत्साह और उमंग है, नई अपेक्षाएं हैं और नई उम्मीदें, लिहाजा यह सरकार किस तरह जीवन के विविध पहलुओं को आर्थिक प्रबंधन और वित्तिय अनुशासन में लाकर उसके बंधन खोलेगी, हद में रहकर अनहद के परे जाकर अपने खजाने से पैसा निकाल कर संकल्प से सिद्धि तक का सफर तय करेगी, यह देखना दिलचस्प होगा।

कैंसर नियंत्रण की दिशा में उठाने होंगे बड़े कदम

रमेश सर्राफ धमोरा

कैंसर एक ऐसी बीमारी है जिसका नाम सुनते ही घबराहट होने लगती है। कैंसर से पीड़ित व्यक्ति बीमारी से अधिक तो कैंसर के नाम से डर जाता है। जिस व्यक्ति को कैंसर होता है वह तो गंभीर यातना से गुजरता ही है उसके साथ ही उसका परिवार को भी बहुत कष्टमय स्थिति में गुजरना पड़ता है। जानलेवा होने के साथ ही कैंसर की बीमारी में मरीज को बहुत अधिक शारीरिक पीड़ा भी झेलनी पड़ती है। कैंसर की बीमारी इतनी भयावह होती है जिसमें मरीज की मौत सुनिश्चित मानी जाती है। बीमारी की पीड़ा व मौत के डर से मैरिज घुट-घुट कर मरता है।

कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाने और इसकी रोकथाम, पहचान और उपचार को प्रोत्साहित करने के लिए 4 फरवरी को विश्व कैंसर दिवस मनाया जाता है। विश्व कैंसर दिवस का जन्म 4 फरवरी 2000 को पेरिस में न्यू मिलेनियम के लिए कैंसर के खिलाफ विश्व शिखर सम्मेलन में हुआ था। विश्व कैंसर दिवस का प्राथमिक लक्ष्य कैंसर और बीमारी के कारण होने वाली मौतों को कम करना है। 1933 में अंतरराष्ट्रीय कैंसर नियंत्रण संघ ने स्विट्जरलैंड में जिनेवा में पहली बार विश्व कैंसर दिवस मनाया था।

यह दिवस कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाने, लोगों को शिक्षित करने, इस रोग के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए दुनिया भर में सरकारों और व्यक्तियों को समझाने तथा हर साल लाखों लोगों को मरने से बचाने के लिए मनाया जाता है। 2014 में इसे विश्व कैंसर घोषणा के लक्ष्य 5 पर केंद्रित किया गया है। जो कैंसर के कलंक को कम और मिथकों को दूर करने से संबंधित है।

दुनिया भर में हर साल एक करोड़ से अधिक लोग कैंसर की बीमारी से दम तोड़ते हैं। जिनमें से 40 लाख लोग समय से पहले (30-69 वर्ष आयु वर्ग) मर जाते हैं। इसलिए समय की मांग है कि इस बीमारी के बारे में जागरूकता बढ़ाने के साथ कैंसर से निपटने की व्यावहारिक रणनीति विकसित करनी चाहिये। 2025 तक कैंसर के कारण समय से पहले होने वाली मौतों के बढ़कर प्रति वर्ष एक करोड़ से अधिक होने का अनुमान है। यदि विश्व स्वास्थ्य संगठन के 2025 तक कैंसर के कारण समय से पहले होने वाली मौतों में 25 प्रतिशत कमी के लक्ष्य को हासिल किया जाए तो हर साल 15 लाख जीवन बचाए जा सकते हैं।

अमेरिका और चीन के बाद दुनिया में सबसे ज्यादा कैंसर मरीज भारत में है। 2020 में 1.93 करोड़ नए कैंसर मरीज सामने आए हैं। जिनमें 14 लाख से अधिक भारतीय हैं। इतना ही नहीं भारत में सालाना बढ़ते कैंसर मामलों के चलते 2040 तक इनकी संख्या में 57.5 फीसदी तक की बढ़ोतरी होने की आशंका है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम के अनुसार देश में कैंसर के मामलों की संख्या 2022 में 14.6 लाख से बढ़कर 2025 में 15.7 लाख होने का अनुमान है। जिसके लिए सरकार को चिकित्सा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने की जरूरत है। तभी समय पर कैंसर मरीजों की जांच से पहचान कर सही उपचार कर देकर उनकी जान बचाई जा सकती है।

नई दिल्ली स्थित भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने कहा है कि देश के अधिकांश क्षेत्रों में कैंसर की सही निगरानी नहीं हो पा रही है। जिस कारण अधिकांश मामलों में बीमारी का देरी से पता चल रहा है। देश के सभी शोध केंद्रों को पत्र लिख आईसीएमआर ने कैंसर की जांच और निगरानी को आसान बनाने के लिए प्रस्ताव मांगे हैं। देश के सभी जिलों में कैंसर निगरानी और जांच को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुसंधान के तहत नई नीति बनाने के लिए आईसीएमआर को जिम्मेदारी सौंपी है। इसके लिए अलग-अलग शोध टीमें गठित होंगी और भौगोलिक व स्वास्थ्य सेवाओं की मौजूदा स्थिति के आधार पर वैज्ञानिक तथ्य एकत्रित किए जाएंगे। आंकड़े बताते हैं कि भारत में कैंसर से साल 2020 में 7,70,230, 2021 में 7,89,202 और 2022 में 8,08,558 लोगों की मौत हुई है। देश में कैंसर के मामलों की कुल संख्या 2022 में 14,61,427 रही। वहीं 2021 में यह 14,26,447, जबकि 2020 में 13,92,179 थी। सबसे ज्यादा कैंसर के मरीज उत्तर प्रदेश में हैं।

साइबर क्राइम-बड़े धोखे हैं इस राह में

दुनिया-भर के लोग इंस्टा और फेसबुक जैसे प्लेटफार्म पर मिलते हैं, दोस्त बन जाते हैं। धीरे-धीरे दोस्ती प्यार में तब्दील हो जाती है। देखा जाए तो नए तरह के सामाजिक रिश्तों का ये मायावी संसार बेहद लुभावना है। इसके माध्यम से अनजाने रिश्ते आपस में जुड़ जाते हैं। हाल के दिनों में ऑनलाइन प्यार की ऐसी कई कहानियां सामने आईं, जिनमें लोगों ने सरहद तक को पार कर दिया। लेकिन देखने में जो सोशल मीडिया रोमांचक है, उसके खतरे भी हजार हैं। क्योंकि जब चैटिंग से शुरू हुई दोस्ती का सफर छेड़खानी, दुष्कर्म, यौन शोषण, शादी के नाम पर झांसे और आर्थिक शोषण से खत्म होता है, तब स्थिति बहुत दुखदायी हो जाती है। पुलिस आंकड़ों पर गौर करें तो, सोशल मीडिया और डेटिंग साइट्स ने लड़कियों के अपहरण की घटनाओं का ग्राफ बढ़ा दिया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि अपहरण के जो मुकदमे लिखे गए, उनमें बड़ी संख्या में आरोपित से पहचान सोशल मीडिया पर हुई थी। पुलिस अधिकारियों की मानें तो सोशल मीडिया पर पहले दोस्ती हुई उसके बाद प्यार। साथ में जीने-मरने की कसमें खाईं गईं। लड़कियों ने घर छोड़ा। जब अहसास हुआ कि भूल हो गई तब तक देर हो चुकी थी। फेसबुक या अन्य सोशल मीडिया के जरिए दोस्ती करके शादी करने का झांसा देने और होटल में बुलाकर दुष्कर्म करने जैसे मामले भी लगातार बढ़ रहे हैं। दुष्कर्म के मामलों में 30 से 40 फीसदी मामले इसी तरह के होते हैं। वर्चुअल चैट्स और वीडियो कॉलिंग के जरिए मुलाकातों ने अपराधियों के लिए नए-नए रास्ते खोल दिए हैं। पिछले एक साल में डिजिटल रोमांस स्कैम की संख्या में भी 40 फीसदी की वृद्धि हुई है। एशिया के कई देशों में ये ऑनलाइन रोमांस स्कैम धड़ल्ले से चल रहा है। भारत ही नहीं विदेशों में भी बड़ी संख्या में लोग ऑनलाइन स्कैम के शिकार हो रहे हैं। लेकिन सिर्फ 20 फीसदी लोग ही इसकी शिकायत पुलिस से करते हैं। न्यूयॉर्क में कराए गए कॉम्बैटिंग ऑनलाइन वायलेंस अगेंस्ट वुमन एंड गर्ल्स : अ वर्ल्ड वाइड वैक-अप नाम के सर्वे में लगभग 86 देशों का अध्ययन किया गया। जिससे सामने आया कि इंटरनेट का इस्तेमाल करने वाली लगभग तीन चौथाई महिलाएं किसी न किसी किस्म की साइबर हिंसा का शिकार होती हैं। सर्वे में ये बात भी सामने आई कि भारत में साइबर अपराध के मामलों में शिकायत करने में महिलाओं की संख्या काफी कम है। रिपोर्ट के अनुसार भारत में केवल 35 फीसदी महिलाओं ने साइबर अपराध की शिकायत की, जबकि 46.7 फसदी पीड़ित महिलाओं ने शिकायत ही नहीं की। वहीं 18.3 फीसदी महिलाओं को इस बारे में कोई जानकारी ही नहीं थी। दिल्ली एनसीआर में एक गैंग ने करीब 700 महिलाओं के साथ ठगी की और ये ठग इंस्टाग्राम पर दोस्ती करके अंजाम दी गई। एफबीआई के अनुसार रोमांस घोटाला तब होता है, जब एक अपराधी फर्जी प्रोफाइल बनाता है। फेसबुक पर कम से कम 20 प्रतिशत ऐसे यूजर हैं, जो फर्जी नाम, पहचान और फोटो का इस्तेमाल करके चैटिंग करते हैं। बेहतरीन प्रोफाइल बनाकर पहले दोस्ती और फिर रात भर बातें। फिर यह कहना कि भारी मुसीबत में फंस गया हूं और फिर शुरू हो जाता है ठगी का धंधा। सामने वाला इतना भावुक हो जाता है कि तुरंत भुगतान कर देता है। जैसे ही पैसे का भुगतान होता है, फेक प्रोफाइल क्लोज हो जाता है। उसके बाद यह समझ में आता है बिना सोचे-समझे ऑनलाइनप्यार के चक्कर में पढ़कर वह अपना पैसा गंवा चुके हैं। साइबर एक्सपर्ट बताते हैं कि पिछले कुछ वर्षों में सोशल मीडिया पर फोटो के साथ-साथ वीडियो अपलोड करने का शौक भी लोगों में तेजी से बड़ा है। कोई रील्स बनाकर डालता है, कोई बच्चे का वीडियो डालता है, लेकिन अब ये भी बेहद खतरनाक बनता जा रहा है। क्योंकि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए आवाज चुराई जा रही हैं। बाद में उसका इस्तेमाल आपको ठगने के लिए किया जा सकता है। आजकल हनी ट्रैप की घटनाएं भी चर्चा में हैं। आपके व्हाट्सएप या मैसेंजर पर किसी अज्ञात नंबर/ प्रोफाइल से लड़की/लड़के द्वारा आपसे चैटिंग की जाती है।

गुगली @

प्रेसीडेंसी विद्यालय के तत्वावधान में हुआ 'भूलना भूल जाओगे' कार्यशाला का आयोजन

मंदनगंज-किशनगढ़। प्रेसीडेंसी विद्यालय प्रबंधन की ओर से 'भूलना भूल जाओगे' कार्यशाला का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। विद्यालय के चेयरमैन जी.एस सिंघवी का मानना है कि वर्तमान में हमारे देश की युवा पीढ़ी को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। यदि समय पर उन्हें उचित मार्गदर्शन दिया जाए तो वे भारत के सफल व समृद्ध नागरिक बन सकते हैं। प्रेसीडेंसी विद्यालय में महान विभूतियों को आमंत्रित किया जाता है जो बच्चों का उचित मार्गदर्शन कर सकें।

इसी उद्देश्य से अजमेर के मदन गंज किशनगढ़ शहर में पहली बार 4 फरवरी को समय - 11.30 से 1.30 बजे तक एक आकर्षक कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसका रजिस्ट्रेशन बिल्कुल निशुल्क था तथा इसमें बच्चे व अभिभावक गण सम्मिलित हुए। प्रेसीडेंसी के अतिरिक्त अजमेर व किशनगढ़ के प्रतिष्ठित विद्यालय डी.डब्लू .पी.एस, माहेश्वरी इंटरनेशनल स्कूल एम.एस.एस, सेंट पॉल विद्यालय आदि के विद्यार्थियों ने उत्साह पूर्वक हिस्सा लिया। कार्यशाला के प्रमुख वक्ता नरेन्द्र सिंह जी जिन्हें गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड पाटिसिपेश्न्ट रिकॉर्ड से नवाजा गया है। उन्होंने उपस्थित बच्चों व अभिभावक गण को उचित मार्गदर्शन दिया जैसे - परीक्षा में 100 अंक कैसे प्राप्त करें, पढ़ाई का तनाव घटाना, दोहराने व रटने से आज़ादी, मोबाइल से दूर रहकर पढ़ाई में मन लगाना आदि मुख्य विषय रहें, इस कार्यक्रम में बच्चों ने जिज्ञासा वश मन में उत्पन्न की प्रश्न पूछे भी पूछे।

दिव्यांग बच्चों के लिए स्मार्ट बोर्ड एवं अन्य सामग्री की भेंट

स्मार्ट क्लास रूम दिव्यांग बच्चों की शिक्षा हेतु बेहद जरूरी : गोलेच्छा

बालोतरा। साधन और सुविधा के अभाव में बच्चों को कुछ नया सिखाना काफी कठिन होता है साथ ही बच्चों में उदासीनता भी रहती है जिसके चलते उनमें चंचलता की कमी आ जाती है। बच्चे दिव्यांग हो तो और भी मुश्किल होता इसलिये स्मार्ट क्लास रूम दिव्यांग बच्चों की शिक्षा में बेहद जरूरी है। उक्त सम्बोधन स्नेह मनोविकास विद्यालय (सवेरा) में इनरव्हील क्लब बालोतरा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में क्लब की अध्यक्षा ममता गोलेच्छा ने किया। इनरव्हील क्लब बालोतरा द्वारा इस कार्यक्रम में विद्यालय को स्मार्ट रूम बनाने हेतु स्मार्ट बोर्ड एवं अन्य सामग्री भेंट की। अध्यक्षा ममता गोलेच्छा ने बच्चों को प्रेरणादायक गीत सिखाए एवं बच्चों के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम किया। इस कार्यक्रम में बच्चों ने उत्साह से भाग लिया। संस्था के सचिव सत्यनारायण ने बताया कि संस्था द्वारा संचालित इस विद्यालय में 35 बच्चे अध्ययन कर रहे जो बिलकुल निःशुल्क है साथ बच्चों की सभी जरूरतों को पुरा करने के लिये स्थानीय भामाशाह सहयोग करते है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक सुनील कुमार ने बताया कि इनरव्हील क्लब बालोतरा समय समय पर इस विद्यालय को मदद करता आया है जिससे विद्यालय में अध्ययन करने वाले बच्चों को बहुत मदद मिली है एवं बच्चों में बहुत परिवर्तन आया है। कार्यक्रम में क्लब की सदस्य कविता बाफना ने अपने सम्बोधन में कहा कि संस्था द्वारा किया जा रहा प्रयास बहुत ही सराहनीय है।

भाजपा बिजोलिया मण्डल के नवनियुक्त अध्यक्ष ने संभाला पदभार

भीलवाड़ा। भारतीय जनता पार्टी बिजौलिया मण्डल कार्यालय पर नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष राजेंद्र बंजारा का पदभार समारोह भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री दामोदर अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य, जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा की अध्यक्षता व मांडलगढ़ विधायक गोपाल खंडेलवाल के सह मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस दौरान नव नियुक्त मंडल अध्यक्ष राजेंद्र बंजारा को मण्डल कार्यालय पर पूर्ण विधि विधान व मुहूर्त के अनुसार अध्यक्ष की कुर्सी पर बैठाकर मंत्रोचार के साथ पदभार ग्रहण कराया गया। मुख्य अतिथि दामोदर अग्रवाल ने पदभार ग्रहण कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं को पार्टी मे आगे बढ़ने के लिए सक्रियता व सकारात्मकता का संदेश दिया और कहा कि पार्टी के हर कार्यकर्ता की क्रियाकलाप पर पार्टी की नजर है। साथ ही उन्होंने लोकसभा चुनाव में मंडल में पिछले चुनाव में बंपर जीत व इस विधानसभा में हराने पर भीतरघातीयो पर कटाक्ष भी किया। जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाडा ने आगामी लोकसभा चुनाव के लिए कार्यकर्ताओं से कमर कसने का आह्वान किया। नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष राजेंद्र बंजारा ने पदभार ग्रहण समारोह को संबोधित करते हुए पार्टी द्वारा मंडल अध्यक्ष नियुक्त करने के लिए पार्टी नेतृत्व का आभार प्रकट किया। पदभारग्रहण कार्यक्रम में पूर्व विधायक बद्री प्रसाद गुरुजी, जिला उपाध्यक्ष मुकेश धाकड़, पूर्व जिला उपाध्यक्ष संजय धाकड़, मांडलगढ पूर्व प्रधान ओमप्रकाश जोशी, मांडलगढ़ नेता प्रतिपक्ष सत्यनारायण मेवाड़ा, गोवर्धन वैष्णव पंचायत समिति सदस्य हितेंद्र सिंह राजोरा, सीताराम मेघवंशी जगदीश मीणा, छात्र संघ अध्यक्ष राकेश बंजारा मंचासीन रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का पैतृक गांव अटारी में भव्य स्वागत

किसानों की पीड़ा को मैंने करीब से देखा : भजनलाल

भरतपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पदभार संभालने के करीब डेढ माह बाद पहली बार अपने पैतृक गांव अटारी पहुंचे। क्षेत्र के निवासियों ने हजारों की संख्या में मुख्यमंत्री का दिल खोल कर स्वागत किया। छतों पर चढ़े महिला, पुरूष और बच्चों ने फूल बरसा कर उनका भव्य स्वागत किया तो भाव-विभोर हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नंगे पांव ही पूरे गांव की परिक्रमा कर ग्रामीणों का अभिवादन स्वीकार किया।

मुख्यमंत्री ने अपने पैतृक निवास पहुंचकर माता-पिता का आशीर्वाद भी लिया। स्वागत के बाद मुख्यमंत्री ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी सरकार आमजन की सरकार है। मैं स्वयं किसान परिवार से आता हूं, किसान की पीड़ा को मैंने करीब से देखा है। उन्होंने कहा कि किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाकर खुशहाल बनाना हमारी सरकार की प्राथमिकता है। सरकार बनने के बाद इस दिशा में काम करते हुए हमने गेंहू खरीद पर समर्थन मूल्य की राशि बढ़ाने, किसान सम्मान निधि में वृद्धि जैसे किसान हितैषी फैसले किए हैं।

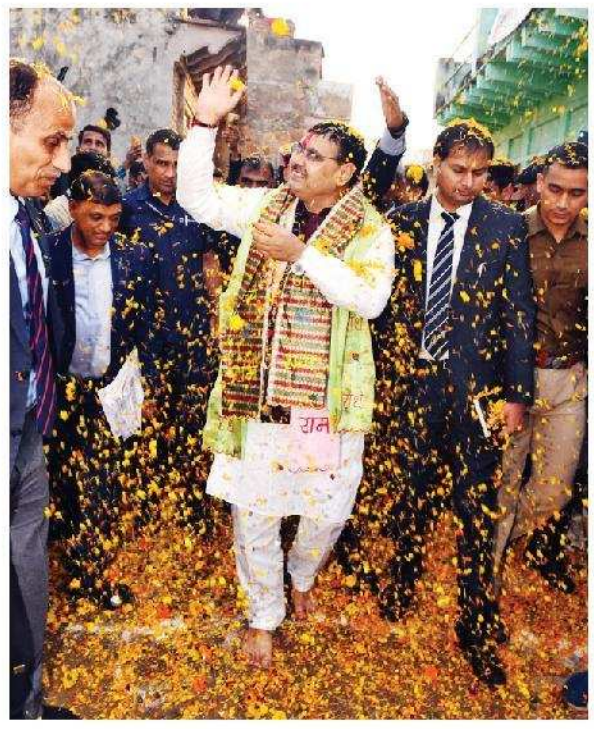

जो कहा वो किया, ईआरसीपी का वादा निभाया

शर्मा ने कहा कि एकीकृत ईआरसीपी परियोजना को हर हाल में पांच साल में पूरा किया जाएगा। ईआरसीपी परियोजना के माध्यम से पूर्वी राजस्थान के लिए पेयजल व सिंचाई हेतु भरपूर पानी उपलब्ध हो सकेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी को पूरा करते हुए हमने उज्ज्वला योजना सहित चयनित बीपीएल परिवार की महिलाओं को 450 रूपए में एलपीजी सिलेण्डर देने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री की हर गारंटी को हम पूरा करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि गत वर्षों में पेपरलीक की घटनाओं से प्रदेश के युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ हुआ। हमने इन मामलों की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया है और इन मामलों में दोषी एक-एक व्यक्ति को सजा दिलाई जाएगी।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में बेहतर कानून-व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं और सरकार प्रदेश में किसी भी प्रकार की गुण्डागर्दी और आपराधिक तत्वों को बर्दाश्त नहीं करेगी। शर्मा ने पैतृक गांव में पारिवारिक लोक देवताओं के थान, चामुण्डा माता मंदिर में दर्शन किए और गांव में स्थित डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण भी किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बांके बिहारी जी मन्दिर में दर्शन किए

भरतपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भरतपुर संभाग दौरे के भरतपुर किले में स्थित बांके बिहारी जी मन्दिर में दर्शन किए। मुख्यमंत्री शर्मा ने धर्मपत्नी गीता शर्मा के साथ दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की और प्रदेश की खुशहाली, सुख-समृद्धि व उत्तरोत्तर प्रगति की कामना की। उन्होंने मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं से आत्मीयतापूर्वक संवाद भी किया। इस दौरान मंदिर के पुजारी ने मुख्यमंत्री को शॉल व श्रीफल भेंट कर उनका अभिनंदन किया। इस दौरान गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेड़म, विधायक जगत सिंह, शैलेश सिंह, संभागीय आयुक्त सांवरमल वर्मा, पुलिस महानिरीक्षक राहुल प्रकाश, भरतपुर जिला कलक्टर लोकबंधु सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

धन कमाना, दान देना आसान, मानवता की सेवा बड़ा कठिन काम : कैलाश कोठारी

पंकज पोरवाल

भीलवाड़ा। पुराना शहर माहेश्वरी सभा भीलवाड़ा, श्री गणेश उत्सव प्रबंध एवं सेवा समिति एवं अन्धता निवारण सोसाइटी के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित नि:शुल्क तीन दिवसीय नेत्र परामर्श एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर का शुभारंभ प्रात: आरसी व्यास कॉलोनी स्थित अपना घर वृद्धाश्रम में प्रारंभ हुआ इस अवसर पर माहेश्वरी समाज के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष कैलाश कोठारी ने कहा कि धन कमाना, दान देना आसान कार्य, लेकिन सेवा कार्य बड़ा कठिन है। समिति अध्यक्ष उदयलाल समदानी ने इस अवसर बताया कि समिति हर माह 5 व 20 तारीख को निशुल्क नेत्र शिविर आयोजित कर रही है इस अवसर पर सभी पधारे अतिथियों का स्वागत अभिनंदन किया। निशुल्क नेत्र शिविर के शुभारंभ पर जगदीश प्रसाद कोगटा, दीनदयाल मारू,

पुराना शहर माहेश्वरी सभा अध्यक्ष कैलाश बाहेती ने अपने विचार रखें। समिति मीडिया प्रभारी महावीर समदानी ने बताया कि शिविर में 113 नेत्र रोगियों को नि:शुल्क परामर्श फेको सर्जन डॉ. कृष्णा हेडा ने दिया। 6 फरवरी को मोतियाबिंद के ऑपरेशन स्पर्श हॉस्पिटल टंकी के बालाजी के पास किए जाएंगे। 7 फरवरी को नि:शुल्क दवाई व काले चश्मे वितरित किए जाएंगे। इस अवसर पर ओम नराणीवाल, देवेंद्र सोमानी, सत्येंद्र बिरला, रमेश राठी, केदार गगरानी संजय जागेटिया, नारायण लाल लढडा, सत्यनारायण डाड, अशोक काबरा, सुरेश कचोलिया, राजेंद्र कचोलिया, प्रमोद डाड, कैलाश मुन्दडा, शांतिलाल डाड, भेरूलाल डाड सहित पुराना शहर माहेश्वरी सभा के मंत्री सत्यनारायण तोतला, श्याम जागेटिया, जयप्रकाश मुन्दडा, शांतिलाल मलाला, हरिराम मंत्री, महेश बाहेती सहित क्षेत्रीय सभाओं के माहेश्वरी समाज के सभी अध्यक्ष मंत्री मौजूद थे। समिति के दयाशंकर शुक्ला, सुभाष गर्ग, रामनारायण सोमानी, श्यामसुंदर पारिक, छीतर मल लढडा, शांता देवी सोमानी ने सेवाएं दी।

बसन्त पंचमी पर 116 जोड़ों का होगा विवाह

सुजानगढ़। शैलेंद्र लाटा निकटवर्ती सिद्धपीठ सालासर धाम में बसंत पंचमी के दिन सृजन चैरिटेबल ट्रस्ट एक अनूठा आयोजन करने जा रहा है। ट्रस्ट के श्याम सुंदर अग्रवाल 14 फरवरी को बसंत पंचमी के दिन सर्वसमाज के 116 जोड़ों का सामूहिक विवाह करवाएंगे। यह सर्वसमाज सामूहिक विवाह सम्मेलन चर्चा का विषय बना हुआ है, जिसका आज सगाई समारोह श्री बालाजी गौशाला में सम्पन्न हुआ।सगाई समारोह में सभी जोड़ों ने एक दूसरे को माला पहनाकर अंगूठी पहनाई, इस दौरान आसपास के क्षेत्र अनेकों सन्त मौजूद रहे। अग्रवाल ने यह भी बताया कि इसमें शादी करने वाले जोड़ो या उनके परिवारों से शादी के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। वहीं हर दुल्हन को करीब दो लाख रुपए के उपहार भी दिए जाएंगे। इनमें ज्वैलरी, फर्नीचर और कपड़ों से लेकर रोजमर्रा के काम आने वाला सारा सामान शामिल है।

टाइगर रिजर्व में दिखी दुर्लभ जीवों की जलक्रीड़ा

बून्दी में 30 सालों बाद फिर नजर आए ऊदबिलाव

बून्दी। रामगढ़-विषधारी टाइगर रिजर्व के वन्यजीवों की सूची में ऊदबिलाव जैसा दुर्लभ वन्यजीव भी जुड़ गया है। पूर्व में यह जीव चंबल नदी में कोटा बेराज की अपस्ट्रीम, जवाहर सागर बांध, गांधीसागर बांध व चित्तौड़गढ़ के रावतभाटा क्षेत्र की नदियों में ही दिखई देते थे। 30 सालों बाद फिर से बून्दी जिले के केशोराय पाटन क्षेत्र की सारसला पंचायत के नोतजा-बीरज स्थान पर चंबल नदी में जामुनिया द्वीप पर इसकी उपस्थिति देखी गई है। बून्दी के पर्यावरण प्रेमी पृथ्वी सिंह राजावत ने इन दुर्लभ जलीय जीवों की गतिविधियों को देखा व ग्रामीणों से इनके संरक्षण पर चर्चा की। नदी में नाव चलाने वाले व आसपास के ग्रामीणों ने बताया कि करीब 30-32 साल पहले तक नदी में सेकड़ों की तादात में ऊदबिलाव नजर आते थे लेकिन देखते देखते ही घयब हो गए। बून्दी जिले में इस उभयचर स्तनधारी वन्यजीव के मिलने से पर्यावरण प्रेमियों में उत्साह है।

चंबल में अवैध शिकार व रेत निकासी पर लगे रोक

राष्ट्रीय चंबल घड़ियाल अभयारण्य का बून्दी जिले से लगता कोटा-बून्दी का क्षेत्र 16 मई 2022 से रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व के कोर क्षेत्र में शामिल हो गया है लेकिन अवैध रूप से जाल डालकर मछली पकड़ने वाले तथा रेत निकासी पर पूरी तरह अंकुश नहीं लग पाया है। ऊदबिलाव सहित अन्य जीवों के संरक्षण के लिए नदी क्षेत्र में अवेध गतिविधियों पर अंकुश आवश्यक है। चंबल संचुरी के टाइगर रिजर्व में शामिल होने से अब यह संरक्षित क्षेत्र घोषित हो गया है। वन विभाग ने जामुनिया सहित अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में चोकियां बनाने व संसाधन बढाकर सुरक्षा बढा दी है। उम्मीद है कि नदी क्षेत्र में अवैध रूप से चल रही गैरवानिकी गतिविधियों पर रोक लगेगी तथा ऊदबिलाव का कुनबा चंबल से होते हुए जिले की मेज, कुरेल व अन्य नदियों तक भी पहुंचेगा।

चंबल में बोट से होगी गश्त, बनेगा वाच टावर

टाइगर रिचर्व क्षेत्र में आने वाले चंबल नदी के इलाके में जल्दी ही बोट से गश्त की व्यवस्था कर रहे हां। नदी पर वाच टावर का निर्माण भी कराया जाएगा ताकि 24 घंटे निगरानी रखी जा सके। ऊदबिलाव सहित अन्य जीवों की सुरक्षा के लिए वनकर्मियों की नियमित गश्त जारी है।

संजीव शर्मा, वन संरक्षक एवं उपक्षेत्र निदेशक
रामगढ-विषधारी टाइगर रिजर्व

उद्यानिकी खेती में किसानों को मिलेगा इजराइली तकनीक का लाभ

इजराइली राजदूत के साथ कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा की वार्ता

जयपुर। राजस्थान में इजराइल के कृषि एवं उद्यानिकी में तकनीकी सहयोग हेतु कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने बुधवार को सचिवालय में इजराइल के राजदूत नाओर गिलोन और इजराइली प्रतिनिधि मण्डल के साथ विस्तृत चर्चा की। बैठक में प्रमुख शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी वैभव गालरिया और उद्यानिकी आयुक्त लक्ष्मण सिंह कुड़ी भी उपस्थित रहे। राज्य में अंगूर व खजूर की खेती की

संभावना और उच्च विद्युत चालकता (ई.सी.) एवं पी.एच. के जल से कृषि उत्पादन पर नवीन तकनीकी सहयोग के सम्बंध में डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने इजराइल के राजदूत के साथ हेतु विस्तृत चर्चा की। कृषि मंत्री ने सवाई माधोपुर में उत्पादित किये जा रहे अमरूद के प्रसंस्करण हेतु सहयोग की संभावना पर कार्य करने हेतु कहा। इजराइल के राजदूत द्वारा इस पर आश्वस्त किया गया कि वे इस पर कार्य कर शीघ्र ही अवगत करायेंगे। बैठक के दौरान प्रमुख शासन सचिव ने इजराइल के तकनीकी सहयोग से स्थापित किये गये बस्सी एवं जयपुर में अनार, कोटा में सिट्रस तथा जैसलमेर में खजूर के उत्कृष्टता केन्द्रों की प्रगति से अवगत करवाया। उन्होंने बताया कि इन केन्द्रों पर इजराइल के तकनीकी विशेषज्ञों की देख-रेख में लगभग 2 हजार 500 हैक्टेयर क्षेत्र में उन्नत कृषि तकनीक के माध्यम से अनार, संतरा एवं खजूर की खेती की जाकर लगभग 15 हजार कृषकों को प्रशिक्षित किया गया है तथा 7 लाख 70 हजार कृषकों को पौध रोपण सामग्री उपलब्ध करवाई गई है। उत्कृष्टता केन्द्रों पर अपनाई जा रही तकनीक पर इजराइली प्रतिनिधि मण्डल ने संतोष जाहिर कर बताया कि इजराइल के सहयोग से स्थापित तीनों उत्कृष्टता केन्द्र कृषकों के हित में कार्य कर रहे है तथा इन केन्द्रों पर कृषकों को आवश्यक प्रशिक्षण दिया जा रहा है, साथ ही उच्च गुणवता युक्त पौध रोपण सामग्री कृषकों को उपलब्ध करवाई जा रही है।

पहली बार परिवहन विभाग ने किया नवाचार

स्वंय जिला परिवहन अधिकारी रामकृष्ण चौधरी ने किया रक्तदान

जिला परिवहन कार्यालय में रक्तदान शिविर का आयोजन, 85 युनिट रक्त संग्रहित

भीलवाड़ा। परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग तथा यातायात पुलिस के संयुक्त तत्वाधान मे राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का आयोजन हो रहा है। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के दौरान विभाग ने पहली बार परिवहन विभाग ने रक्तदान शिविर का नवाचार किया है। परिवहन विभाग कार्यालय में गुरूवार को रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया गया। जिला परिवहन अधिकारी रामकृष्ण चौधरी ने आमजन को मोटिवेट करने के लिए स्वयं ने शिविर में रक्तदान किया। परिवहन विभाग के साथ ही अन्य एजेंसियों ने भी रक्तदान शिविर में बढ़ चढ़कर भाग लिया। चौधरी ने बताया कि परिवहन कार्यालय में रक्तदान शिविर में विभिन्न एजेंसियों का तथा महात्मा गांधी ब्लड बैंक टीम के सहयोग से 85 युनिट रक्त संग्रहित किया गया। शिविर में अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी मोहम्मद यूनुस, डॉक्टर अजीत यादव, भागचंद सोनी, गोविंद सिंह, महिपाल सिंह, सत्यनारायण बलाई, शिवचरण मीणा, कैलाश कुमावत, चंद्रशेखर पाराशर सहित कई गनमान्य नागरिक उपस्थित थे।

परिवहन निरीक्षक विवेक सिरोठा ने बुधवार को जिले के एनसीसी कार्यालय में एनसीसी केडेट्स को सड़क सुरक्षा नियमों की जानकारी देने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया। जिसमे सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों, फर्स्ट रेस्पॉडर्स, गुड समेरिटन जैसी सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई।

थैलेसिमिया रोगियों के इलाज की राह अब हुई है आसान : डॉ. ललित

भीलवाड़ा। महात्मा गांधी चिकित्सालय जयपुर, श्रीराम केंसर सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल जयपुर एवं थैलेसीमिया रिलीफ सोसाइटी भीलवाड़ा के संयुक्त तत्वावधान में थैलेसीमिया रोगियों का चिकित्सा जांच एवं परामर्श शिविर केपी टावर में आयोजित किया गया। रिलीफ सोसायटी के महासचिव गौतम दुगड़ ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुवात मांगलिक मंत्रोच्चार से हुई जिसमे जयपुर के वरिष्ठ केंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. ललित मोहन शर्मा एवं डॉ. प्रियंका सोनी, एसएमएस मेडिकल कॉलेज के पूर्व केसर विशेषज्ञ डॉ.डीपी अग्रवाल, संस्था की अध्यक्ष एकता ओस्तवाल, डॉ. राजेश छापरवाल, डॉ. मंजुला मुछाल, बलराज आचार्य, तरंग जैन ने दीप प्रज्ज्वलित किया। जयपुर के वरिष्ठ केंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. ललित मोहन शर्मा के कहा की थैलेसिमिया रोगियों के इलाज की राह अब आसान हुई है। रोगियों को नियमित ब्लड चढ़ाने एवं नियमित दवाइयों के साथ साथ बोन मैरो ट्रांसप्लांट से बीमारी पर निजात पाया जा सकता है। अब जयपुर में भी बोन मैरो ट्रांसप्लांट के ऑपरेशन शुरू हो चुके है। महात्मा गांधी जयपुर की वरिष्ठ रक्त रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रियंका सोनी ने बताया की इस शिविर में कई मरीजों को एचएलए (बोन मेरो मेचिग) टेस्ट के लिए सलाह दी गई।

आर एन आई नम्बर : RAJHIN/2010/31940

सुनहरा राजस्थान

प्रवासी राजस्थानी

जयपुर, शुक्रवार,
9 से 15 फरवरी, 2024

कोलकाता। कोलकाता में पूज्य श्रीमन् माध्व गौडेश्वर वैष्णवाचार्य पुंडरीक गोस्वामी महाराज का स्वागत करते हुए अंतरराष्ट्रीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष दिनेश बजाज (पू.विधायक) एवं रमाशंकर भरतिया।

मारवाड़ी सम्मलेन ने किया संस्कार-संस्कृति पर प्रभावी कार्यक्रम का आयोजन

कोलकाता। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के 'संस्कार संस्कृति उपसमिति' के तत्वाधान में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन स्थानीय भारतीय भाषा परिषद सभागार में आयोजित किया गया। सर्वप्रथम उपसमिति के चेयरमैन संदीप गर्ग ने कार्यक्रम की रूपरेखा के बारे में विस्तार से बताया एवं सभी महानुभावों का स्वागत किया। तत्पश्चात राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवकुमार लोहिया, राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी एवं अन्य गण्यमान्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलन करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष लोहिया ने कहा कि सम्मेलन गत 88 वर्षों से समाज की सेवा में विभिन्न रूपों से संलग्न रहा है। सम्मेलन ने नारी शिक्षा, विधवा-विवाह जैसे मुद्दों पर जो कार्य किया उसी का प्रतिफल है कि आज समाज की आधी आबादी समाज में अपना सशक्त योगदान दे रही है। हर्ष की बात है कि सम्मेलन सदा की

भांति आज भी समाज में पनपते हुए नए-नए विसंगति एवं विकृतियों के विरुद्ध आवाज उठा रहा है। इसी उद्देश्य के तहत यह 'संस्कार संस्कृति कार्यक्रम' आयोजित किया गया है, ताकि समाज में हम अपनी विशिष्ट परंपराओं का प्रचार कर सकें एवं उनके गुणों को याद करके अपने जीवन में उतारने का प्रयास करें। हम धारा के प्रतिकूल बहते हैं। उन्होंने आगे, सभी से सम्मेलन के इन कार्यक्रमों में जुड़कर समाज की सेवा करने का आह्वान किया।

तत्पश्चात अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त कथाकार एवं सामाजिक विषयों पर विशेष पकड़ रखने वाले विचारक एवं ओजस्वी वक्ता श्रीनिवास जी शर्मा श्री जी ने अपने संगीतमयी प्रस्तुति से पुरानी परंपराओं को समझाते हुए मारवाड़ी समाज की 'कौड़ी से करोड़पति की गाथा' को बहुत सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया। उन्होंने समाज के पुरानी सीख एवं ज्ञान के सांस्कृतिक, सामाजिक, व्यवसायिक एवं वैज्ञानिक पक्षों को बहुत ही सुंदर ढंग से उजागर किया। श्रोताओं से खचाखच भरे प्रेक्षागृह में सभी श्रोता सम्मोहित होकर उनको सुनते रहे।

सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम का सफल संचालन उपसमिति के चेयरमैन संदीप गर्ग ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में अमित मूंदड़ा एवं अन्य संलग्न थे।

इस कार्यक्रम को फेसबुक लाइव द्वारा देश के सभी प्रांतों में दिखाया गया था। कार्यक्रम में पद्मश्री प्रहलाद राय अगरवाला, कुंज बिहारी अगरवाला, जुगल किशोर जाजोदिया, संतोष सराफ, आत्माराम सोंथलिया, भानीराम सुरेका, दिनेश जैन, रमेश कुमार बूबना, महावीर मनकसिया, भगवान दास अग्रवाल, शिवरतन फोगला, शंकरलाल कारिवाल, नंदकिशोर अग्रवाल, नितिन अग्रवाल, सुशील पोद्दार, के. एल. लालानी, श्याम सुंदर बेरीवाल, राजेश सोंथलिया, गौरी शंकर सारदा, शिवकुमार बागला, राजेंद्र कानूनगो, बाबूलाल धनानिया, सुशील कुमार चौधरी, अमिता दवे, पुष्पा चौधरी, केदार नाथ गुप्ता, दामोदर बिदावतका, महेंद्र अग्रवाल, इंदर डागा, राजीव जैन, सुशील भावसिंहका एवं अन्य गण्यमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

राजस्थान रत्नाकर ने किया हमारे राम नाटिका का आयोजन

नीति गोपेंद्र भट्ट

नई दिल्ली। प्रवासी राजस्थानियों की प्रमुख संस्था राजस्थान रत्नाकर ने नई दिल्ली के सिविक सेंटर के केदार नाथ साहनी ऑडिटोरियम में सुप्रसिद्ध कलाकार आशुतोष राणा और राहुल भूचर तथा साथी कलाकारों द्वारा मंचित हमारे राम नाटक का भव्य आयोजन किया। इस अवसर पर संस्था के चेयरमैन राजेन्द्र गुप्ता ने बताया कि यह आयोजन अयोध्या में श्री रामलला के नूतन विग्रह की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में हुई प्राण प्रतिष्ठा और संस्था के 50 वर्ष पूर्ण करने पर स्वर्ण जयंती समारोह की श्रृंखला का शुभारम्भ किए जाने की कड़ी में एक अविस्मरणीय आयोजन था।

तीन घण्टे से भी अधिक लम्बे इस नाटक की संकल्पना,विषय वस्तु और विभिन्न कड़ियों की प्रस्तुति ना केवल प्रभावशाली रहीं वरन बहुत ही सारगर्भित और प्रभु राम के चरित्र के अनुरूप शिक्षाप्रद, ज्ञानवर्धक और दूरदर्शी सन्देश देने वाली थी।

हमारे राम नाटक की इस रोमांचक प्रस्तुति में राहुल भूचर ने भगवान राम और आशुतोष राणा ने रावण का किरदार निभाया। भव्य सेट्स आकर्षक रंग बिरंगी रोशनी और प्रभावी ध्वनि संयोजन तथा कलाकारों की डायलोग डिलीवरी ने नाटक में दर्शकों को पूरे समय बांधे रखा।

हमारे राम नाट्य संयोजन में जो प्रसंग शामिल किए गए थे वे बहुत ही मर्म से भरे हुए और सनातन धर्म के उपदेश देने वाले थे। राजस्थान रत्नाकर के प्रधान शंकर जयपुरिया उप प्रधान ललित पोद्दार अरविंद गुप्ता महामन्त्री सुमित गुप्ता मंत्री मुकेश गुप्ता सयुंक्त सचिव अमित गोयल और कोषाध्यक्ष प्रवीण जालान ने अतिथियों का स्वागत किया।

लायंस क्लब इंटरनेशनल के 108 जोड़ों का सामूहिक विवाह 10 को

हुगली। लायंस क्लब इंटरनेशनल जिला 322 बी (1) की ओर से नन्दकुटी में 108 जोड़ों का सामूहिक विवाह नंदकुटी (ताड़केश्वर मार्ग में) में 10 फरवरी को होगा। सामूहिक विवाह समिति के अध्यक्ष पूर्व पार्षद लायन ओम प्रकाश पोद्दार, लायन्स हेस्टिंग्स के अध्यक्ष रामचन्द्र बड़ोपलिया, सचिव प्रमोद चांडक, चेयरमैन पवन पोद्दार ने बताया सामूहिक विवाह का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के युवक- युवतियों का विवाह कराना है। सामूहिक विवाह में हिन्दू, मुस्लिम, आदिवासी-वनवासी, दिव्यांग-विकलांग प्रत्येक जोड़े का विवाह उनके समाज, परिवार की धार्मिक परम्परा के अनुसार सम्पन्न कराया जाता है। भारत में सभी समाज में सामूहिक विवाह के प्रति जागरूकता है, कार्यकर्ता नैतिक कर्तव्य का पालन कर रहे हैं। लायन बंधु भी सेवाकार्यों से सामाजिक कर्तव्य का पालन कर रहे हैं।

महावीर लिंब सेंटर ने लगाया गाय के बछड़े को कृत्रिम पांव

गाय को कृत्रिम पांव लगाने का यह पहला मामला

हुबली। पिछले दिनों धारवाड़ के नजदीक एक रेल एक्सीडेंट में गाय के बछड़े का पैर टूट गया जिसको इलाज के पश्चात विश्व हिन्दू परिषद् द्वारा संचालित गौशाला में लाके रखा गया, विहिप के पदाधिकारियो ने आल इंडिया जैन युथ फेडरेशन द्वारा संचालित महावीर लिंब सेंटर के पदाधिकारियों से संपर्क किया, सेंटर के लिए यह एक नई चीज थी जिसको करने के लिए फेडरेशन के संस्थापक अध्यक्ष महेन्द्र सिंघी ने तकनीशियन टीम को कृत्रिम पांव बनाने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए, तकनीशियन एम् एच नायकर ने अभिनव नगर स्तिथ गौशाला जाकर गाय के बछड़े के टूटे हुए पाँव का नाप चौक लिया और पैर बनाया,

सोमवार को फेडरेशन के संस्थापक अध्यक्ष महेन्द्र सिंघी, चैयरमेन गौतम गोलेछा, सुनील भुरट, विहिप के उत्तर कर्नाटका प्रान्त कार्यदर्शी गोवेर्धन राव, महानगर कार्यदर्शी रमेश कदम, सह कार्यदर्शी विजय क्षीरसागर, सेवा प्रमुख सुभाष डंक, आनंद संगम ने गाय के बछड़े को पैर लगाया, जिसके पश्चात गाय के बछड़े को चलाने का प्रयाश किया जोकि धीरे धीरे चलकर चहलकदमी की जिसको देखकर सभी खुशी व्यक्त की,

फेडरेशन के अध्यक्ष महेन्द्र सिंघी ने बताया की गाय को कृत्रिम पांव लगाने का कार्य देशभर में अपने आप में प्रथम बार किया गया है, यह हम सभी के लिए खुशी का विषय है, लिंब सेंटर द्वारा पिछले 25 वर्षों में मानव सेवा के तहत दक्षिण भारत के अनेक राज्यों में शिविरों के माध्यम से 51000 से अधिक दिव्यांगों को कृत्रिम पांव प्रदान कर उनको स्वावलम्बी बनाया गया है साथ ही आज हम सभी पदाधिकारियों के लिए अत्यंत ही गर्व का विषय है की मानव सेवा गौ माता की सेवा करने का पुण्य कार्य हुआ है, मानव सेवा के साथ प्राणी सेवा करने का जो कार्य हुआ है इससे हमे बहुत खुशी हुई है।

विहिप के उत्तर कर्नाटका प्रान्त कार्यदर्शी गोवेर्धन राव ने कहा की महावीर लिंब सेंटर द्वारा रेलवे अपघात में गाय के बछड़े का पाँव टूटने पर बछड़े को तड़पते हुए देखा नहीं जा रहा था, हमने इसके लिए अनेक पशु चिकित्षको से संपर्क किया परन्तु इसका उपचार नहीं मिला फिर हमने महावीर लिंब सेंटर के पदाधिकारियों से संपर्क किया जिन्होंने आज कृत्रिम पांव बनाकर गाय के बछड़े को लगाया जिसको पाकर बछड़े ने चलकदमी शुरू की जिसको देखकर हम सभी को संतुष्टि प्राप्त हुयी

इस अवसर पर विहिप पदाधिकारियों ने महेन्द्र सिंघी, व् गौतम गोलेछा को सम्मानित कर आभार जताया ।

विहिप सेवा प्रमुख, महावीर लिंब सेंटर के कन्वेनर सुभाष डंक ने बताया की गाय और उसका बछड़ा रेलवे ट्रैक पर चल रहे थे इस इस दौरान सामने से आ रही ट्रैन एक्सीडेंट में गाय की मोके पर ही मोत हो गयी और बछड़े का पिछला पैर कट हो गया जिसका धारवाड़ में उपचार के पश्चात हुबली लाया गया

इस दौरान विहिप महानगर कार्यदर्शी रमेश कदम ने सभी का आभार जताया।

राज्य के वन एवं पर्यावरण मंत्री ने की केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री से भेंट

मुकुंदरा और शाहगढ़ में चीता लाने और सरिस्का में रोप वे बनाने के कार्यो पर हुई चर्चा

नवनों की दुनिया

नई दिल्ली। राजस्थान के वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा ने केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव से भेंट कर सरिस्का में नाहर सती माता सिलीबेरी से पांडुपोल हनुमान मंदिर तक रोपवे अथवा रास्ता बनाने का प्रस्ताव रखा। इसके अतिरिक्त शर्मा ने राजस्थान के मुकुंदरा और शाहगढ़ जैसलमेर में चीता लाने के साथ ही सरिस्का में बनने वाले एलिवेटेड रोड का काम शीघ्र शुरू कराने के लिए आग्रह किया। नई दिल्ली के पर्यावरण भवन में हुई इस मुलाकात के दौरान शर्मा ने केन्द्रीय मंत्री को अवगत करवाया कि सरिस्का में नाहर सती माता सिलीबेरी से पांडुपोल हनुमान मंदिर तक रोपवे बनने अथवा दीवारों के साथ 9 किलोमीटर तक का रास्ता बनने से पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतरी होने के साथ ही उनका आवागमन सुगम हो जाएगा।

मुलाकात के दौरान केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव ने शर्मा के आग्रह पर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के निदेशक, वन विभाग के महानिदेशक और राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) के प्रमुख एस.पी.यादव से वार्ता कर उचित कार्यवाही करने के निर्देश प्रदान किए।

डिब्रूगढ़। आसाम में आयोजित श्री ढांढणवाली दादीजी के 24 वे अखिल भारतीय बसंतोत्सव को संबोधित करते हुए ढांढण मंदिर के ट्रस्टी दिनेश बजाज (पूर्व विधायक), साथ में महेश भरतिया (दिल्ली) प्रमोद बजाज,जगदीश भरतिया, कमल बजाज, कालीचरण बजाज, इंदरचंद बजाज, संजय बजाज, आनंद मोर, किशन बजाज, विष्णु बजाज (सभी कोलकाता), अजीत कुमार बजाज, आशीष भरतिया, रमेश बजाज, बिनोद भरतिया (सभी डिब्रूगढ़), कमल बजाज (इटानगर), मनोज बजाज (तिनसुकिया), विनय बंसल (पानीपत), संतोष बजाज (अकोला), संजय बजाज (गोहाटी)। इस बसंतोत्सव में भारत के अनेक राज्यों से भक्तों ने हिस्सा लिया। सुप्रसिद्ध भजन गायक नवीन जोशी, नेतल शर्मा, मूलचंद बजाज, स्वाति अग्रवाल, विशाल बजाज ने भजनों से धूम मचाई।

देवनानी की गुजरात के मुख्यमंत्री व स्पीकर से मुलाकात

गांधी नगर । राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने गुजरात के गांधी नगर में स्थित विधानसभा भवन में मुख्यमंत्री भूपेन्द्र भाई पटेल और स्पीकर शंकर भाई चौधरी से मुलाकात की। देवनानी के सम्मान में मुख्यमंत्री पटेल व स्पीकर चौधरी ने दोपहर भोज का आयोजन किया। इस अवसर पर गुजरात मंत्री मण्डल के सदस्यगण मौजूद थे।

देवनानी ने देख्खी गुजरात विधानसभा

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने गुजरात विधानसभा का अवलोकन भी किया। उन्होंने सदन और विभिन्न दीर्घाओं को देखा। देवनानी ने चौधरी से विधानसभा की कार्यप्रणाली से सम्बन्धित विभिन्न विषयों, इन्फ्रास्ट्रक्चर, ऑनलाइन सिस्टम और सुरक्षा पर चर्चा की।

विधानसभा की ऑनलाइन प्रक्रिया पर चर्चा की: देवनानी ने वन-नेशन-वन एप्लीकेशन के तहत गुजरात विधानसभा में संचालित 'नेवा' एप के

बारे में भी चौधरी से विस्तृत चर्चा की। इस ऐप के तहत गुजरात विधानसभा के प्रत्येक विधायक की टेबल पर स्क्रीन लगाया गया है। देवनानी ने विधानसभा की ऑनलाइन प्रक्रिया को भी देखा। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने गुजरात विधानसभा के संचालन को देखा। प्रश्न काल के दौरान देवनानी गुजरात विधानसभा में रहे। देवनानी ने विधानसभा में राम मंदिर के संबंध में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अभिनन्दन संकल्प पर चल रही बहस को सुना।

राजनीति का आकाश और अणुव्रत पर संगोष्ठी आयोजित

अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य तुलसी ने नेताओं के लिए ही नहीं आमजन के लिए वर्षों पूर्व आचार संहिता बनाई : अर्जुन राम मेघवाल

नीति गोपेन्द्र भट्ट

नई दिल्ली। केंद्रीय कानून, संसदीय कार्य और संस्कृति राज्य मंत्री एवं अणुव्रत संसदीय मंच के संयोजक अर्जुन राम मेघवाल ने कहा है कि चुनाव आयोग राजनीतिक पार्टियों और नेताओं के लिए चुनाव से कुछ समय पूर्व ही आचार संहिता लागू करता है जबकि अणुव्रत अनुशास्ता महान संत आचार्य तुलसी ने अपनी दूरदर्शी सोच से वर्षों पूर्व स्वयं द्वारा प्रवर्तित अणुव्रत आंदोलन के माध्यम से न केवल नेताओं बल्कि आम व्यक्ति के लिए सटीक आचार संहिता बना दी थी जोकि आज भी सर्वाधिक प्रासंगिक है। मेघवाल नई दिल्ली में पुराने संसद भवन के संविधान सदन कक्ष में अणुव्रत अमृत महोत्सव वर्ष के उपलक्ष्य में अणुव्रत विश्व भारती के तत्वावधान में साध्वीश्री अणिमाश्री जी के सानिध्य में अणुव्रत संसदीय मंच द्वारा 'राजनीति का आकाश और अणुव्रत' विषय पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। संगोष्ठी में केंद्रीय राज्य मंत्री प्रतिभा भौमिक, विभिन्न प्रदेशों के सांसद गण,साध्वी वृन्द और अणुव्रत की विभिन्न घटक संस्थाओं के पदाधिकारी एवं प्रतिनिधि गण उपस्थित रहें।

केंद्रीय मंत्री मेघवाल ने कहा कि यह सुखद संयोग ही है कि देश की आजादी के साथ ही यह वर्ष अणुव्रत का भी अमृत काल वर्ष है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी स्वयं प्रेक्षाध्यान करते है और अणुव्रत के सिद्धांतों के अनुरूप संकल्प से सिद्धि की भावना से देश की सेवा में जुटे हुए है। इसी प्रकार आरएसएस के सर संघचालक डा मोहन भागवत भी प्रतिवर्ष तीन दिनों तक आचार्य महाश्रमण के सानिध्य में रह कर और उनसे भेंट कर अणुव्रत को अंगीकार करते हैं।

स्वत्वाधिकारी भूमिका मीडिया विजन प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक अनिल लोढ़ा द्वारा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस, 10, जेएलएन मार्ग जयपुर में मुद्रित करवा कर सी-74 सावरकर मार्ग, तिलक नगर, जयपुर से प्रकाशित। संपादक: अनिल लोढ़ा, प्रबंध संपादक : धर्मचंद मेहता। संपादकीय परामर्शी: मिलाप चंद डंडिया
मो. 7073000557, 9829317973 email ID : news.sunahara@gmail.com, dcmehta72@gmail.com